होम / होम / हजार वर्ष का राज्य

हजार वर्ष का राज्य

शालोम, परमेश्वर के भक्त! आइए हम पवित्र शास्त्रों का अध्ययन करें, जैसा कि बाइबिल कहती है:

भजन संहिता 119:105 – “तेरा वचन मेरी पगडंडी का दीपक है, और मेरी
राह का प्रकाश।”
अर्थात्, परमेश्वर का वचन हमारा मार्गदर्शन है। यदि हम उसके वचन
को जान लें, तो भले ही हमें बाकी सब कुछ न मिले, हम जीवन पाएंगे।
आमीन।

आज हम हजार वर्ष के राज्य के बारे में सीखेंगे।
प्रश्न है: हजार वर्ष का राज्य क्या है?
हजार वर्ष का राज्य वह शासन है जो इस पृथ्वी पर आने वाला है, जब हमारे प्रभु यीशु मसीह अपने चुने हुए लोगों के साथ राज्य करेंगे। शास्त्र कहता है कि हम स्वर्ग में हमेशा नहीं रहेंगे, बल्कि केवल सात वर्षों के लिए वहाँ होंगे। उसके बाद हम पृथ्वी पर लौटकर एक हजार वर्षों के लिए शासन करेंगे। जब ये हजार वर्ष समाप्त होंगे, तभी समय की अवधारणा रुक जाएगी और अनंत काल शुरू होगा।

चालू स्थिति:
जिसका चर्च अब प्रतीक्षा कर रहा है वह है उधारणा (Rapture), जो बहुत निकट है। प्रभु में मर चुके पवित्र जीव पुनर्जीवित होंगे, जीवित पवित्रों के साथ मिलकर स्वर्ग में प्रभु के पास जाएंगे। वहाँ जो दृश्य होंगे, वह आँख ने नहीं देखा और कान ने नहीं सुना – सुंदर और नवीन अनुभव होंगे। बाइबिल इसे दावत वाले भोज के रूप में उदाहरण देती है, जैसे कोई विवाह समारोह।

जब शाही भोज स्वर्ग में चल रहा होगा, पृथ्वी पर विषय-विरोधी मसीह (Antichrist) उठेंगे और अपने काम शुरू करेंगे। पहले तीन और आधे
वर्षों में वह दुनिया को शांति का झूठा संदेश देकर अपने निशान
(Mark of the Beast) को स्वीकार करवाने का प्रयास करेगा। उसके बाद
के तीन और आधे वर्ष कठिन समय होंगे उन लोगों के लिए जिन्होंने
उसका निशान नहीं लिया। अंत में, इन तीन और आधे वर्षों के कुछ दिनों
में, जैसे कि 75 दिन (दानीएल 12:12), परमेश्वर का प्रकोप उन पर होगा जिन्होंने उसके निशान को स्वीकार किया। इसी समय हर्मगेडोन (Armageddon) का युद्ध लड़ा जाएगा।

परमेश्वर के न्याय और हर्मगेडोन युद्ध के बाद, पृथ्वी पर बहुत सारे लोग मारे जाएंगे। बाइबिल कहती है कि लोग सोने से भी कम मिलेंगे (यशायाह 13:12)। बहुत से लोग जो दुष्ट थे और उस निशान को स्वीकार किया, उनके भाग्य का अंत ज्वालामुखी झील (Lake of Fire) में होगा (प्रकाशित वाक्य

14:9-10)।

परमेश्वर का कार्य:
परमेश्वर नया कुछ नहीं बनाते, बल्कि वह पुराने को ठीक करके नया रूप देते हैं। जब हम पुनर्जीवित होंगे, तो हमारी आत्मा और शरीर पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे, बस हमारे ऊपर महा-वैभव वाला शरीर (Glorious Body) चढ़ाया जाएगा। इसी दिन यह सत्य साबित होगा कि प्रभु का वचन सच है: एक भी बाल नहीं खोएगा (लूका 21:18)।

वर्तमान पृथ्वी शैतान और मनुष्यों से बहुत क्षतिग्रस्त है। परंतु परमेश्वर इसका नाश नहीं करता, बल्कि इसे पहले की अवस्था में पुनर्स्थापित करता है। यह योजना ऐडन (Eden) से ही थी – मनुष्य को फिर से अपने पास लाना।

हजार वर्ष का शासन:

शैतान को बांध दिया जाएगा ताकि वह लोगों को भ्रमित न कर सके (प्रकाशित वाक्य 20:1-3)। शांति का शासन होगा। लोग सुरक्षित होंगे, बच्चों के साथ आनंदपूर्वक जीवन बिताएंगे। शारीरिक कष्ट समाप्त होंगे, जैसे कि प्रसव पीड़ा, कठिन परिश्रम, और जानवरों के साथ शत्रुता।
भविष्य में जानवर घास खाएंगे, शिशु साँप के बिल में खेलेंगे, और कोई हानि नहीं होगी (यशायाह 11:6-9; 65:25)।

हजार वर्ष के शासन में, पवित्र लोग और प्रभु से लौटे हुए लोग शासन

करेंगे। मसीह राजाओं का राजा होगा। शास्त्र में लिखा है कि वफादार सेवक को शहरों और क्षेत्रों में अधिकार मिलेगा (लूका 19:16-19; मत्ती 19:27-28)।

भाषा की एकता होगी। बाइबिल कहती है कि पहले की भाषा और भ्रमित भाषाएँ (बाबेल) खत्म हो जाएँगी। सब लोग एक ही भाषा और समझ के साथ रहेंगे।

हजार वर्ष के शासन में युद्ध, संघर्ष, और अन्याय नहीं होगा। लोग स्वेच्छा से प्रभु को जानेंगे और पालन करेंगे।
प्रकाशित वाक्य 20:4-6 – वे जो मसीह के साक्ष्य के लिए जान दिए, पुनर्जीवित होकर उनके साथ शासन करेंगे।

हजार वर्ष के अंत में शैतान को थोड़े समय के लिए छोड़ा जाएगा ताकि वह लोगों का परीक्षण कर सके (प्रकाशित वाक्य 20:7-10)। अंततः न्याय पूर्ण होगा और प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार सजा या इनाम मिलेगा (प्रकाशित वाक्य 20:11-15)।

नई पृथ्वी और नया आकाश:
हजार वर्ष के पश्चात्, प्रभु नई पृथ्वी और नया आकाश बनाएंगे (प्रकाशित वाक्य 21:1-8)। वहाँ रोष, मृत्यु, दुख और दर्द नहीं होगा। जीवन का जल सभी को मुफ्त में मिलेगा।

सारांश:

प्रभु के जीवन में समर्पण करने वालों के लिए भविष्य उज्जवल है।
दुष्ट और ईश्वर का विरोध करने वाले लोग अंततः नाश को प्राप्त होंगे।
हजार वर्ष का शासन शांति, न्याय, और परमेश्वर की उपस्थिति का काल होगा।

कृतज्ञता और प्रार्थना:
यदि आपने अपना जीवन प्रभु को दिया है, तो अनंत काल की शुरुआत आपके लिए उज्जवल है।
मरणाथा!

यदि आप चाहें, मैं इसे और हिन्दी में आसान, पाठक-मित्रवत शैली में भी बदल सकता हूँ ताकि कोई आम व्यक्ति भी बिना धार्मिक पृष्ठभूमि के आसानी से समझ सके।

क्या मैं इसे वही रूप में तैयार कर दूँ?

Share on:
WhatsApp

Print this post